

[This question paper contains 2 printed pages.]

8

Your Roll No.



Sr. No. of Question Paper : 3194

Unique Paper Code : 62057632

Name of the Paper : Sahityachintan

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi CBCS-DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. 'साहित्य समाज को दिशा देता है' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
(15)

अथवा

साहित्य अध्ययन की प्रमुख दृष्टियों का परिचय दीजिए ।

2. रस के भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
(15)

P.T.O.

अथवा

रस के अंगों का निरूपण कीजिए ।

3. लक्षणा शब्द-शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए । (15)

अथवा

काव्य में अलंकारों का महत्व रेखांकित कीजिए ।

4. काव्य में छंदों की क्या भूमिका है? (15)

अथवा

साहित्य में लय के महत्व को रेखांकित कीजिए ।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :- (8,7)

(i) बिम्ब

(ii) अभिधा शब्द-शक्ति

(iii) सहृदय की अवधारणा

(iv) प्रतीक

[This question paper contains 2 printed pages.]

(9)

Your Roll No.



Sr. No. of Question Paper : 3345

Unique Paper Code : 62057632

Name of the Paper : Sahityachintan

Name of the Course : **BA (Prog.) Hindi CBCS – DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. क्या सामाजिक बदलाव में साहित्य की कोई भूमिका है? - इस प्रश्न पर विचार करते हुए साहित्य की उपादेयता पर निबंध लिखिए।

(15)

अथवा

साहित्य अध्ययन की अस्तित्ववादी दृष्टि की विवेचना कीजिए।

P.T.O.

2. रस-निष्पत्ति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

करुण रस की परिभाषा और पहचान बताते हुए उदाहरण दीजिए।

3. अभिधा शब्द-शक्ति का सोदाहरण परिचय देते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

यमक और श्लेष अलंकार का सोदाहरण परिचय देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. लय और तुक का काव्य-सौष्ठव में क्या योगदान है? (15)

अथवा

साहित्य में छंद की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए - (8,7)

(i) लक्षणा शब्द शक्ति

(ii) काव्य-शिल्प के रूप में फैंटेसी

(iii) रस का स्वरूप

(iv) मिथक